Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 1

– Save This Page as a PDF–

यूसुफ़ और मरियम की वंशावली

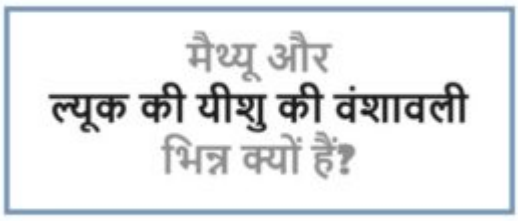
मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ बी -३८

खोदना : दो वंशावली की आवश्यकता क्या है? मत्ती की पता लगाने वाली रेखा क्या है? लूका का पता लगाने वाली रेखा क्या है? क्यों? उत्तरी साम्राज्य के इस्राइल में राजात्व की आवश्यकता क्या थी? यहूदा के दक्षिणी राज्य में राजात्व की आवश्यकता क्या थी? मत्तित्याहू को वंशावली को पेश करने में क्या समस्या थी? उसने इसे कैसे हल किया? इन दो वंशावली में आप लोग क्या पहचानते हैं? आप को उनके बारे में क्या याद है? आप उन लोगों के बारे में जो जानते हैं उससे यीशु के “सांसारिक वंश” के बारे में आप क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

विचार : इसका मतलब क्या है कि एदोनाए के वादे पीढ़ी पर भरोसेमंद हैं? आपके जीवन में किस बिंदु पर आपने यीशु की उपस्थिति को सबसे अधिक महसूस किया है? आपके आध्यात्मिक पालन-पोषण में कौन कौन महत्वपूर्ण लोग हैं? आपके माता-पिता या परिवार के सदस्यों से आध्यात्मिक रूप से आपको क्या प्राप्त हुआ है? अगर कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ, तो आध्यात्मिक सलाहकारों ने आध्यात्मिक रूप से बढ़ने में आपकी क्या मदद की है?

इस फ़ाइल में बड़ी मात्रा में जानकारी आर्टोल्ड फ्रुचेंटेनबाम की टेप श्रृंखला से यीशु का जीवन से ली गई थी। चारों सुसमाचारों में से, केवल मत्तित्याहू और लूका वास्तव में यीशु के जन्म के बारे में बताते हैं। लेकिन जब मत्ती और लूका दोनों उसके जन्म की कहानी बताते हैं, तो वे इसे दो अलग-अलग दृष्टिकोणों से बताते हैं। मत्तित्याहू यूसुफ के परिप्रेक्ष्य से यीशु के जन्म की कहानी बताता है। मत्ती के सुसमाचार में, यूसुफ सक्रिय भूमिका निभाता है जबकि मरियम एक निष्क्रिय भूमिका निभाती है; स्वर्गदूत यूसुफ में दिखाई देते हैं, लेकिन मरियम के सामने आने वाले स्वर्गदूतों का कोई अभिलेख नहीं है। सुसमाचार बताता है कि यूसुफ क्या सोच रहा है, लेकिन मरियम क्या सोच रही है उसके बारे में कुछ भी नहीं कहा जाता है। दूसरी ओर, लूका मरियम के परिप्रेक्ष्य से वैसी ही एक कहानी बताता है। लूका के सुसमाचार में, मरियम सक्रिय भूमिका निभाती है जबकि यूसुफ निष्क्रिय भूमिका निभाता है; स्वर्गदूत मरियम को दिखाई देते हैं, लेकिन यूसुफ के सामने आने वाले स्वर्गदूतों का कोई अभिलेख नहीं है। सुसमाचार से पता चलता है कि मरियम क्या सोच रही है, लेकिन यूसुफ क्या सोच रहा है उसके बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है।

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 2



यहाँ एक सवाल उठता है कि, “दो वंशावलियों की
आवश्यकता क्यों पड़ी? खासकर जब कि यीशु यूसुफ के “असली” पुत्र नहीं थे?” जवाब आमतौर पर ऐसा कुछ जाता है, “मत्ती की वंशावली शाही रेखा देती है, जबकि लूका की वंशावली वैधानिक रेखा देती है।” इसका अर्थ यह है कि, मत्ती के सुसमाचार के अनुसार, यूसुफ दाऊद का सिंहासन के उत्तराधिकारी था। चूंकि यीशु यूसुफ का “अपनाया” बेटा था, इसलिये वह उस ‘गोद लेने’ के आधार पर दाऊद के सिंहासन पर बैठने का अधिकारिक दावा कर सकता था। लेकिन इसके विपरीत भी बिलकुल सच है। दूसरी तरफ, लूका मरियम के माध्यम से उसकी वंशावली का पता लगाता है, जो यीशु को मानव जाति के कानूनी प्रतिनिधि के रूप में योग्यता प्रदान करता है। जो लोग इस विचार का समर्थन करते हैं उनका मानना है कि अदन की बाटिका में कौन सा आदमी जब्त हुआ, येशुआ, मनुष्य-परमेश्वर को वापस हासिल करना पड़ा। लेकिन एक बार फिर, ऐसा नहीं था कि लूका की वंशावली ने दिखाया कि क्यों यीशु राजा मसीहा हो सकता है।

दो वंशावली की वास्तविक आवश्यकता को समझने के लिए, आपको सबसे पहले समझना चाहिए कि तनख़ में राजात्व के लिए दो आवश्यकताएं दी गई थीं। एक को यरूशलेम में अपनी राजधानी के साथ, यहूदा के दक्षिणी राज्य में लागू किया गया था, जबकि अन्य आवश्यकता को इस्त्राएल के उत्तरी साम्राज्य में लागू किया गया था, जिसमें समरिया में इसकी राजधानी थी।

१. यहूदा के दक्षिणी राज्य में शासन की आवश्यकता :

पहली आवश्यकता दाऊद के वंश की थी। जब तक आप दाऊद के घर के सदस्य नहीं होते, तब तक आप यरूशलायिम में सिंहासन पर नहीं बैठ सकते। जब दाऊद के घर से दूर जाने की साजिश थी और यशायाह ७ में एक पूरी तरह से नया राजवंश स्थापित किया गया था, यशायाह ने चेतावनी दी थी कि ऐसी कोई योजना निश्चित विनाश हो गई थी क्योंकि दाऊद के घर के बाहर कोई भी यरूशलेम में सिंहासन पर नहीं बैठ सकता था।

२. इज़राइल के उत्तरी साम्राज्य में शासन की आवश्यकता:

दूसरी आवश्यकता दिव्य नियुक्ति या भविष्यवाणी स्वीकृति की थी। जब तक आपको दिव्य नियुक्ति या भविष्यवाणी की मंजूरी नहीं मिलती, तब तक आप सामरिया में सिंहासन पर नहीं बैठ सकते। अगर किसी ने ऐसा करने की कोशिश की, तो उसकी हत्या कर दी जाएगी।

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 3

उदाहरण के लिए, परमेश्वर ने येहू से कहा कि उसके वंश को चार पीढ़ियों के लिए शोमरोन के सिंहासन पर बैठने की इजाजत दी जाएगी, और उन्होंने किया। जब पांचवीं पीढ़ी ने सिंहासन हासिल करने की कोशिश की, तो उसकी हत्या कर दी गई क्योंकि उसके पास दिव्य नियुक्ति नहीं थी। दाऊद के वंश और दिव्य नियुक्ति दोनों को दो वंशावली की आवश्यकता में देखा जाएगा, जिससे एक वैध राजा होगा।

मत्ती १: १-१७ में वंशावली:

यूसुफ की लाइन के मत्ती के लेख को देखते हुए, मत्ती ने यहूदी परंपरा और रिवाजों को दो तरीकों से तोड़ दिया: पहली बात, उन्होंने नामों को छोड़ दिया; और दूसरी बात, उन्होंने महिलाओं के नामों का जिक्र भी किया। उन्होंने उल्लेख की गई चार महिलाओं में तामार (मत्ती १:३), राहाब (मत्ती १:५ए), रुथ (मत्ती १:५बी), और वाक्यांश: जिसकी मां उरीया की पत्नी थी, वह बथशेबा (मत्ती १:६) को संदर्भित करती है। इतना ही नहीं, उन्होंने जिन महिलाओं के नाम दिये हैं वे मसीहा की पंक्ति में अधिक महत्वपूर्ण नही थीं। उदाहरण के लिए, उसने सारा जैसी एक औरत को छोड़ दिया, जो कहीं अधिक महत्वपूर्ण थी। फिर भी इन चारों के नामों का वर्णन करने का कोई कारण नहीं है और दूसरों का नहीं। प्रथम, ये चारों महिलाएं अन्यजातियों में से थीं। अपने सुसमाचार में प्रारंभिक, मत्ती ने एक विषय पर संकेत दिया कि उन्होंने बाद में एक विशाल विस्तार किया: यद्यपि यीशु के आने का मुख्य उद्देश्य इस्राएल की खोयी भेड़ के लिए था, अन्यजातियों को भी उसके आने से फायदा होगा। दूसरी बात यह है कि उनमें से तीन महिलाओं के बारे में जो यौन के पाप में शामिल थीं : तामार अपने ससुर यहूदा (उत्पत्ति १-३०) के साथ यौन संबंध रखने की दोषी थी; रहाब वेश्यावृत्ति के दोषी थी (यहोशू २:१बी); और बेथशेबा व्यभिचार की दोषी थी (२ शमूएल ११:१-२७)। फिर, मत्ती ने एक विषय को पूर्ववत किया जो कि बाद में और अधिक स्पष्ट रूप से सामने आएगा: कि यीशु पापियों को बचाने के उद्देश्य से आया था। लेकिन, ये उनकी वंशावली का मुख्य बिंदु नहीं हैं।

अपनी वंशावली का पता लगाने में, मत्ती अपने समय से पीछे चला गया और अब्राहम (मत्ती १:२) से शुरू किया, और रजा दाऊद (मत्तित्याहू १:६) के वंश का पता लगाया। दाऊद के कई बेटों से, उसने दिखाया कि वंश सुलैमान के माध्यम से चलाया गया (मत्ती १:६)। सुलैमान से वंशावली जेकोन्याह (मत्तित्याहू १:११-१२) तक आई थी। यह एक महत्वपूर्ण मोड़ था, क्योंकि मत्ती ने यकोन्याह को यूसुफ की वंशावली में खोजा (मत्ती १:१६), जो यीशु का सौतेला पिता था। मत्ती के अनुसार, यूसुफ सुलैमान के माध्यम से दाऊद के वंशज थे, लेकिन यकोन्याह के माध्यम से भी उसके वंशज थे। इसका मतलब था कि यूसुफ दाऊद के सिंहासन के उत्तराधिकारी नहीं हो सकता था।

हम यिर्मयाह २२: २४-३० से यह सीखते हैं, जहां हम पढ़ते हैं: “निश्चित रूप से मैं जीवित हूं,” एदोनाए घोषित करता है, “भले ही तुम, यहूदा के राजा यहोयाकीम का पुत्र कन्याह, मेरे दाहिने हाथ पर एक मुहर वाली अंगूठी थी, मैं अभी भी तुम्हें

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 4

खींच लूँगा। मैं आपको उन लोगों को, बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर और बाबुलियों के हाथों में सौंप दूंगा जो आपकी जिंदगी चाहते हैं, जिनसे आप डरते हैंl मैं तुम्हें और उस मां को फेंक दूंगा जिसने तुम्हें दूसरे देश में जन्म दिया था, जहां आप में से कोई भी पैदा नहीं हुआ था, और वहां आप दोनों मर जाएंगे। आप कभी यहूदा की भूमि पर वापस नहीं आएंगे जहाँ आप वापस लौटना चाहते हैं। क्या यह आदमी कोनी’अह एक तुच्छ टूटा हुआ बर्तन है, और टूटी हुई वस्तु को कोई नहीं चाहता है? उसे और उसके बच्चों को क्यों फेंक दिया जाएगा, उन्हें उस भूमि में डाला जाएगा जिसे वे नहीं जानते? हे पृथ्वी, पृथ्वी, हे पृथ्वी, एदोनाए के वचन को सुन “(यिर्मयाह २२:२९)! एदोनाए यही कहता है: इस आदमी को आलेख करें जैसे कि निःसंतान, एक आदमी जो अपने जीवनकाल में समृद्ध नहीं होगा, कोई भी यहूदा के सिंहासन पर नहीं बैठेगा या कोई भी यहूदा में शासन नहीं करेगा (यिर्मयाह २२:२०)।

कोनी’अ नाम यकोन्याह का एक छोटा रूप है। जिसे यहोयाचिनभी कहा जाता है (देखें: यिर्मयाह Du– यहोयाइचिन पर मेरी टिप्पणी देखें ५९८ ईसा पूर्व में ३ महीने के लिए), जो बाबुलियों के यहूदा को कैद में ले जाने से पहले यहूदा के आखिरी राजाओं में से एक था। यहूदियों के साथ यहोवा के धैर्य के बारे में बताया गया था जब यकोन्याह १८ वर्ष की उम्र में राजा बन गया था (२ राजा २४:८-१६ ए)। इस जवान राजा ने परमेश्वर की दृष्टि में बुरा किया क्योंकि उसने यहूदा के बाबुलोनियन नियंत्रण का विरोध किया था जिसे एदोनाए ने आज्ञा दी थी (यिर्मयाह २७:५-११)। इसके लिए, उसे नबूकदनेस्सर द्वारा बंदी बनाया गया था, जो उसे मंदिर के सभी खजाने के साथ बाबुल में ले गया था। वहां वह रिहा होने से ३७ साल पहले जेल में रहा और बाकी के जीवन के लिए नियमित रूप से राजा की मेज पर खाया करता था (यिर्मयाह ५२:३३; २ राजा २५:२९)।

हाशेम ने यिर्मेयाहू के दिनों में एक अभिशाप का उच्चारण किया। इसके अभिशाप में कई पहलू हैं, लेकिन आखिरी व्यक्ति इतना महत्वपूर्ण है कि हाशेम ने पूरी पृथ्वी को तीन बार सुनने के लिए बुलाया (यिर्मयाह २२:२९)। फिर अभिशाप का उच्चारण किया गया : जेकोन्याह के वंश के पास कभी दाऊद के सिंहासन पर बैठने का अधिकार नहीं होगा (यिर्मयाह २२:३०)। यिर्मयाह तक, कि पहली आवश्यकता दाऊद के वंश में सदस्यता थी। लेकिन यिर्मेयाहू के साथ, यह आवश्यकता और भी सीमित थी। एक को अभी भी दाऊद के घर का सदस्य होना था, लेकिन उसे यकोन्याह से अलग होना पड़ा। योसेफ दाऊद का वंशज था, लेकिन यकोन्याह की वंशावली में; इसलिए, वह दाऊद के सिंहासन के लिये अयोग्य था। अगर यीशु यूसुफ का असली पुत्र होता, वह भी दाऊद के सिंहासन पर बैठे से अयोग्य होता। अगर एक यहूदी मत्ती की वंशावली को देखता, तो वह खुद से सोचता, “यदि यीशु वास्तव में यूसुफ का पुत्र था, तो वह मेशियाच (मसीहा) नहीं हो सकता था।” यही कारण है कि मत्ती ने वंशावली के साथ अपने सुसमाचार के शुरू में, “जेकोनिया समस्या” को संबोधित किया, और कुवांरी के माध्यम से जन्म का हल निकाला (मत्तित्याहू १: १८-२४)।

यीशु के मूल [उत्पत्ति] की किताब का मसीहा दाऊद का पुत्र, अब्राहम का पुत्र है

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 5

(मत्ती १:१)। मत्ती के सुसमाचार के पहले दो शब्द सचमुच उत्पत्ति की पुस्तक से हैं। मत्ती के सुसमाचार के पहले दो शब्द सचमुच उत्पत्ति की पुस्तक के हैं। यहूदी पाठक पर प्रभाव यूहन्ना के शुरुआती वाक्यांश की तुलना में तुलनीय होगा: आदि में … … पवित्रशास्त्र की पूर्ति का विषय बहुत शुरुआत से संकेतिक है (उत्पत्ति १:१), और इन शुरुआती शब्दों से पता चलता है कि एक नई सृष्टि हो रही थी।

अब्राहम से इसहाक उत्पन्न हुआ, इसहाक से याकूब उत्पन्न हुआ, याकूब से यहूदा और उसके भाई उत्पन्न हुए (मत्ती १:२),

यहूदा और तामार से फिरिस व जोरह उत्पन्न हुए, फिरिस से हिर्सोन उत्पन्न हुआ, और हिर्सोन से एराम उत्पन्न हुआ (मत्ती १:३),

एराम से अम्मीनादाब उत्पन्न हुआ, अम्मीनादाब से नहशोन, और नहशोन से सलमौन उत्पन्न हुआ (मत्ती१:४),

सलमौन और राह्ब से बोअज़ उत्पन्न हुआ, बोअज़ और रूत से ओबेद उत्पन्न हुआ, और ओबेद से यिशै उत्पन्न हुआ (मत्ती १:५),

और यिशै से दाऊद रजा उत्पन्न हुआ और दाऊद से सुलैमान उस स्त्री से उत्पन्न हुआ जो पहले उरिय्याह की पत्नी थी (मत्ती १:६)l

सुलैमान से रहबाम उत्पन्न हुआ, रहबाम से अबीयाह उत्पन्न हुआ, और अबीयाह से आसा उत्पन्न हुआ (मत्ती १: ७),

आसा से यहोशाफात उत्पन्न हुआ, यहोशाफात से योराम उत्पन्न हुआ, और योराम से उज्जियाह उत्पन्न हुआ, (मत्ती १:८)

उज्जियाह से योताम उत्पन्न हुआ, योताम से आहाज़ उत्पन्न हुआ, और आहाज़ से हिजकिय्याह उत्पन्न हुआ (मत्ती १:९),

हिजकिय्याह से मनश्शिह उत्पन्न हुआ, मनश्शिह से आमोन उत्पन्न हुआ, और आमोन से योशिय्याह उत्पन्न हुआ (मत्ती १:१०);

और बंदी होकर बेबीलोन जाने के समय में योशिय्याह से युकन्याह, और उसके भाई उत्पन्न हुए (मत्ती १:११)l

बंदी होकर बेबीलोन पहुँचाए जाने के बाद युकन्याह से शालतिएल उत्पन्न हुआ, और शालतिएल से जरूब्बाबिल उत्पन्न हुआ (मत्ती १:१२),

जरूब्बाबिल से अबीहूद उत्पन्न हुआ, अबीहूद से इल्याकीम उत्पन्न हुआ और इल्याकीम

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 6

से अजोर उत्पन्न हुआ (मत्ती १:१३),

अजोर से सदोक उत्पन्न हुआ, सदोक से अखीम उत्पन्न हुआ, और अखीम से इलीहूद उत्पन्न हुआ (मत्ती १:१४),

इलीहूद से इलियाजार उत्पन्न हुआ, इलियाजार से मत्तान उत्पन्न हुआ, और मत्तान से याक़ूब उत्पन्न हुआ (मत्ती १:१५),

याक़ूब से यूसुफ उत्पन्न हुआ, जो मरियम का पति था, और मरियम से यीशु जो मसीह कहलाता है, उत्पन्न हुआ (मत्ती १:१६)l

इस प्रकार अब्राहम से दाऊद तक चौदह पीढ़ी हुईं, और दाऊद से बेबीलोन को बंदी होकर पहुँचाए जाने तक चौदह पीढ़ी, और बंदी होकर बेबीलोन को पहुँचाए जाने के समय से मसीह तक चौदह पीढ़ी हुईं (मत्ती १:१७)l

लूका ३: २३ बी -३८ में वंशावली:

लूका की वंशावली की ओर मुड़ते हुए हम देखते हैं कि लूका को, मत्ती के विपरीत, जेकोन्याह के साथ कोई समस्या नहीं थी, इसलिए वह कुंवारी से जन्म के साथ अपने सुसमाचार को शुरू करता है और बाद में अध्याय ३ में अपनी वंशावली देता है। लूका ने सख्त यहूदी परंपरा और प्रक्रिया का पालन किया जिसमें उन्होंने कोई महिला नहीं दी और उन्होंने कोई नाम भी नहीं छोड़ा। यहूदी वंशावली में महिलाओं का नामकरण करने का नियम एक प्रश्न उठाएगा : “अगर आप किसी महिला के वंश का पता लगाना चाहते थे लेकिन उसका नाम इस्तेमाल नहीं कर सकते, तो आपको इसे कैसे करना होगा?” यहूदी परंपरा कहती है, “आप उसके पति के नाम का उपयोग करेंगे।”

तलमूद कहता है : “एक मां के परिवार को परिवार नहीं कहा जाता है।” तनख़ में, वहां दो मामले थे जहां एक महिला के वंश का उसके पति के नाम से पता लगाया गया था : एज्रा २:६१ और नहेम्याह ७:६३। इसी तरह, लूका भी महिलाओं के नामों का जिक्र नहीं करने के सख्त यहूदी अभ्यास का पालन कर रहा था। वह मरियम की रेखा का पता लगाने के लिए चाहता था लेकिन उसका नाम उल्लेख नहीं कर सका, इसलिए उन्होंने योसेफ का उल्लेख किया (लूका ३:२३ बी)। लेकिन दिखाने के लिए उसका मतलब योसेफ नहीं है, वह यूसुफ के नाम से यूनानी निश्चित लेख को छोड़ देता है और इसे अन्य सभी नामों में जोड़ता है।

मत्ती के विपरीत, लूका ने अपने ही दिनों के दौरान अपनी वंशावली शुरू की और इतिहास में पिछड़ा काम किया। उन्होंने यूसुफ के नाम से मरियम के विकल्प के रूप में शुरुआत की और इसे दाऊद के पुत्र नातान (लूका ३:३१) के पास खोजा। इस पद के अनुसार, यूसुफ की तरह मरियम, दाऊद के वंशज थी। तथापि, यूसुफ के विपरीत, मरियम के पास योन्याह का खून उसके नसों से नहीं चल रहा था। वह दाऊद की वंशज थी, जेकोन्याह के

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 7

रूप में, नातान के माध्यम से, सुलैमान की नहीं। इसका मतलब यह था कि यीशु ने राजा के लिए तनख़ में पहली आवश्यकता पूरी की : वह यकोन्याह के अलावा दाऊद के घर का सदस्य था।

हालांकि, यह पूरी समस्या को हल नहीं करेगा। यहूदी इतिहास में इस बिंदु पर, यकोन्याह के अलावा, अन्य यहूदियों की बड़ी संख्या में और यहूदी भी दाऊद के वंशज थे। इसलिए पहली आवश्यकता को पूरा करने के लिए यीशुआ अकेला नहीं था। वह राजा क्यों होना चाहिए था और दूसरों में से कोई भी क्यों नहीं होना चाहिए था? जवाब तनख़ में दूसरी आवश्यकता में है, जो लूका १:३०-३५ में विशेष रूप से पद ३२ में दिव्य नियुक्ति का था। लेकिन यीशु ने अकेले तनख़ की दूसरी आवश्यकता को पूरा किया। अपने पुनरुत्थान के आधार पर प्रभु अब हमेशा के लिए रहता है, और उसके पास कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। अगर एक यहूदी लूका की वंशावली को देखता, तो वह खुद में सोचता, “यह वंशावली सख्त यहूदी परंपरा और प्रक्रिया का पालन करती है। इसमें कोई महिला नहीं है, कोई नाम नहीं छुटा है, और जेकोन्याह के अलावा है।” लूका की वंशावली से पता चलता है कि यीशु राजा मसीहा क्यों हो सकता है।

वह पुत्र था, इसलिए सोचा गया, यूसुफ के बारे में, हेली के पुत्र, जिसे एली भी लिखा गया (लूका ३: २३ बी), मत्तात का पुत्र : क्योंकि लूका को उचित यहूदी वंशावली की अखंडता को बनाए रखने के लिए मरियम के बजाय योसेफ का उल्लेख करना है, वह हेली का पुत्र कहता है, जो मरियम के पिता थे। इसका तात्पर्य यह है कि योसेफ हेली के दामाद थे। यह कोई दुर्घटना नहीं है कि पहली और दूसरी शताब्दी के यहूदी लेखन में यीशु का हेली के पुत्र के रूप में उल्लेख किया गया है क्योंकि उन्होंने मान्यता दी कि वंशावली वास्तव में मरियम के माध्यम से खोजी जा रही थी, न कि यूसुफ के माध्यम से।

और वह लेवी का, और वह मलकी का, और वह यन्ना का, और वह यूसुफ का (लूका ३:२४),

और वह मत्तित्याह का, और वह आमोस का, और वह नहूम का, और वह असल्याह का, और वह नोगर का (लूका ३:२५),

और वह मात का, और वह मत्तित्याह का, और वह शिमी का, और वह योसेख का, और वह योदाह का (लूका ३:२६),

और वह यूहन्ना का, और वह रेसा का, और वह जरुब्बाबिल का, और वह शाल्तियेल का, और वह नेरी का (लूका ३:२७),

और वह मलकी का, और वह अद्दी का, और वह कोसाम का, और वह इल्मोदाम का, और वह एर का (लूका ३:२८),

और वह येशु का, और वह इलाजार का, और वह योरीम का, और वह मत्तात का, और वह लेवी का

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 8

(लूका ३:२९),

और वह शामों का, और वह यहूदा का, और वह यूसुफ का, और वह योनान का, और वह इल्याकीम का (लूका ३:३०),

और वह मलेआह का, और वह मिन्नाह का, और वह मत्तता का, और वह नातान का, और वह दाऊद का (लूका ३:३१),

और वह यीशै का, और वह ओबोद का, और वह बोअज का, और वह सलमोन का, और वह नहशोन का (लूका ३:३२),

और वह अम्मिनादाब का, और वह अरनी का, और वह हिस्रोन का, और वह फिरिस का, और वह यहुदाह का (लूका ३:३३),

और वह याकूब का, और वह इसहाक का, और वह अब्राहम का, और वह तिरह का, और वह नाहोर का (लूका ३:३४),

और वह सरूग का, और वह रऊ का, और वह फिलिग का, और वह एबिर का, और वह शिलह का (लूका ३:३५),

और वह केनान का, और वह अरफक्षद का, और वह शेम का, और वह नूह का, और वह लिमिक का (लूका ३:३६),

और वह मथूशिलह का, और वह हनोक का, और वह यिरिद का, और वह महललेल का, और वह केनान का (लूका ३:३७),

और वह एनोश का, और वह शेत का, और वह आदम का, और वह परमेश्वर का पुत्र था (लूका ३:३८)l

अंत में, इन दो वंशावली में मेशियाच के कई खिताबों में से चार खिताब शामिल हैं। मत्ती १:१ में, उसे दाऊद का पुत्र और अब्राहम का पुत्र कहा गया है, इसका मतलब है कि यीशु एक यहूदी है। लूका ३:३८ में, उसे आदम का पुत्र और परमेश्वर का पुत्र कहा गया है। प्रत्येक शीर्षक उनके व्यक्तित्व के एक अलग पहलू पर जोर देता है।

उसे दाऊद का पुत्र क बुलाकर यह मतलब है कि यीशु एक राजा है, और उसे अब्राहम का पुत्र बुलाकर मतलब है कि यीशु एक यहूदी है। संयोग से नहीं, ये वही दो मूल विषय हैं जिन पर मत्ती जोर देता हैं — यीशु की यहूदीता और राजात्व : वह यहूदियों का राजा है। यही कारण है कि मत्ती अकेले ज्योतिषियों के आने को अभिलेख करता है (देखें Av– ज्योतिषियों की यात्रा), जो सवाल पूछते हैं कि : यहूदियों का राजा वह कहां पैदा हुआ है?

Ai – यूसुफ़ और मरियम की वंशावली मत्ती १: १-१७ और लूका ३: २३ | 9

उनका तीसरा खिताब आदम का पुत्र है। यह शीर्षक उस तथ्य पर जोर देता है कि यीशु एक आदमी था। एक बार फिर, यह कोई दुर्घटना नहीं है कि यह लूका के सुसमाचार का विषय बना, जो महत्त्व पर ज़ोर देता है कि मसायाह मनुष्य का पुत्र है (देखें Co– यीशु किस प्रकार एक लकवे के मारे हुए मनुष्य को क्षमा करता है और उसे चंगाई देता है)। यही कारण है कि लूका और मत्ती, मरकुस या यूहन्ना नहीं, उनके मानव विकास को और अधिक विस्तार से अभिलेख करता है। लूका बताता है कि वह कैसे बड़ा हुआ; कैसे उन्होंने अपना ज्ञान प्राप्त किया; और माता-पिता के अधिकार के अधीन उनकी अधीनता में रहा। दूसरों के मुकाबले लूका ने जोर दिया कि वह कैसे भूखा था और वह थक गया था, जिनमें से सभी मानवता के विशिष्ट चिन्ह हैं। यीशु आदम का पुत्र है, जिसका अर्थ है कि वह एक आदमी है।

उनका चौथा शीर्षक परमेश्वर का पुत्र है। इसका मतलब है कि यीशु ईश्वर है। परमेश्वर का पुत्र होने के नाते, तनख़ के धर्मियों का मानना था कि वह स्वयं परमेश्वर थे। यह यूहन्ना के सुसमाचार का विषय होता है, जिसने जोर दिया कि यीशु ईश्वर का पुत्र मेशियाच है। यही कारण है कि यूहन्ना ने शब्द के साथ अपनी सुसमाचार शुरू किया : “आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था”l अपने सुसमाचार के अंत में, यूहन्ना ने इस घटना का “संदेह” थोमा के साथ प्रकट किया, जिसने आखिरकार सच्चाई देखी और यीशु, मेरे ईश्वर और मेरे परमेश्वर (यूहन्ना २०:२८) को घोषित किया। उन दो अंशों के बीच, यूहन्ना ने बार-बार मसीह के ईश्वरत्व पर जोर दिया — तथ्य यह है कि यीशु ईश्वर है।

ये चार खिताब मसीहा को, यहूदी, ईश्वर-मनुष्य, और राजा, चित्रित करते हैंl